पुनरावृति कक्षा मूल्यांकन विषय- संस्कृतम् पाठ-१२, 13,(रुचिरा)



| उपयुक्तकथनानां समक्षम् 'आम्', अनुपयुक्तकथनानां | समक्षं | 'न' इति | लिखत- |
|--|--------|---------|-------|
| (क) विद्या राजसु पूज्यते।                      |        |         |       |
| (ख) वाग्भूषणं भूषणं न।                         |        |         |       |
| (ग) विद्याधनं सर्वधनेषु प्रधानम्।              |        |         |       |
| (घ) विदेशगमने विद्या बन्धुजन: न भवति।          |        |         |       |
| (ङ) सर्वं विहाय विद्याधिकारं कुरु।             |        |         |       |

मञ्जूषा - आम्, न , न , न, आम् ,, आम्

**#LIVEWORKSHEETS** 

## मञ्जूषातः पुँल्लिङ्ग-स्त्रीलिङ्ग-नपुंसकलिङ्गपदानि चित्वा लिखत-

| विद्या | धनम्         | संस्कृता | सततम्         | कुसुमम् | मूर्धजा:                                | पशुः   | गुरु: | रति: |
|--------|--------------|----------|---------------|---------|---|--------|-------|------|
|        | पुँल्लिङ्गम् |          | स्त्रीलिङ्गम् |         | नपुंसकि                                 | नङ्गम् |       |      |
| यथा-   | हा           | ारा:     | अलङ्क         | ता      | भूषणम्                                  |        |       |      |
|        | •••          |          |               |         | *************************************** |        |       |      |
|        |              |          |               |         |   |        |       |      |
|        |              |          |               |         |   |        |       |      |

## यथायोग्यं संयोज्य लिखत-

क

कौटिल्येन

चिकित्साशास्त्रे

शून्यस्य आविष्कर्ता

संस्कृतम्

सूक्तय:

g

अभ्युदयाय प्रेरयन्ति।

ज्ञानविज्ञानपोषकम्।

अर्थशास्त्रं रचितम्।

चरकसुश्रुतयो: योगदानम्।

आर्यभट:।

